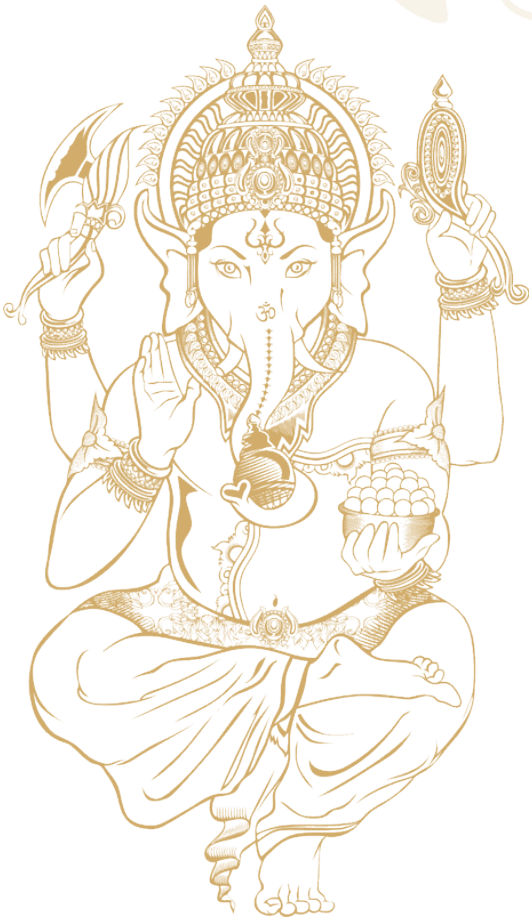

Ms. KANIKA

10 Jan 1976

02:15 AM

Kulti

Model: Web-VarshKundli

Order No: 119874601

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
9-10/01/1976	जन्म तिथि	**09/01/2025**
शुक्र-शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 02:15:00	जन्म समय	15:52:42 घंटे
घटी 49:29:58	जन्म समय(घटी)	23:33:53 घटी
India	देश	India
Kulti	स्थान	Kulti
उत्तर 23:45:00	अक्षांश	23:45:00 उत्तर
पूर्व 86:50:00	रेखांश	86:50:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:17:20	स्थानिक संस्कार	00:17:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:00	सूर्योदय	06:27:08
17:12:42	सूर्यास्त	17:12:48
23:31:33	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:24
तुला	लग्न	मिथुन
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मीन	राशि	मेष
गुरु	राशि-स्वामी	मंगल
रेवती	नक्षत्र	कृतिका
बुध	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	1
शिव	योग	साध्य
बव	करण	वणिज
ची-चिराग	जन्म नामाक्षर	अ-आकांक्षा
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
गज	योनि	मेष
देव	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	गरुड़
49	गत/तत्कालिक वर्ष	50

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ
विशाखा	3	27:18:48	तुला	
पूर्वाषाढ़ा	4	25:12:09	धनु	
रेवती	4	28:50:54	मीन	
रोहिणी	4	22:00:27	वृष	व
श्रवण	2	14:04:19	मक	
रेवती	2	22:46:11	मीन	
अनुराधा	4	16:32:20	वृश्चि	
पुष्य	2	06:51:08	कर्क	व
विशाखा	2	26:22:49	तुला	
भरणी	4	26:22:49	मेष	
स्वाति	2	13:08:43	तुला	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न		मिथु	08:16:28	1	आर्द्रा
सूर्य		धनु	25:12:09	4	पूर्वाषाढ़ा
चंद्र		मेष	27:07:00	1	कृतिका
मंगल	व	कर्क	04:39:17	1	पुष्य
बुध		धनु	07:12:52	3	मूल
गुरु	व	वृष	18:12:02	3	रोहिणी
शुक्र		कुंभ	12:21:54	2	शतभिषा
शनि		कुंभ	21:00:03	1	पू०भाद्रपद
राहु	व	मीन	06:08:39	1	उ०भाद्रपद
केतु	व	कन्या	06:08:39	3	उ०फाल्गुनी
मु		वृश्चि	27:18:48	4	ज्येष्ठा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:24

लग्न-चलित

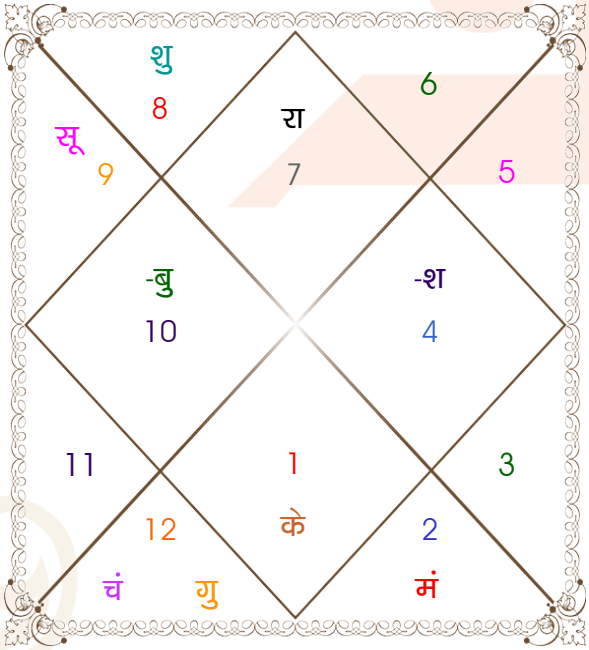

वर्ष लग्न कुंडली

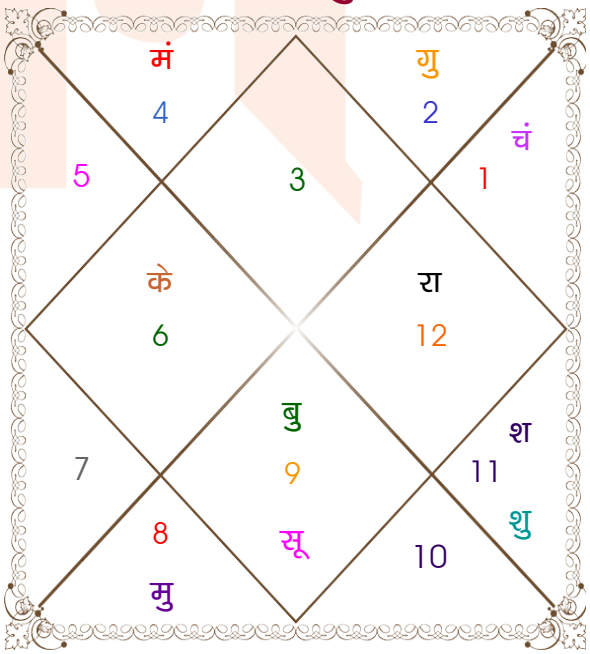

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

चन्द्र कुंडली

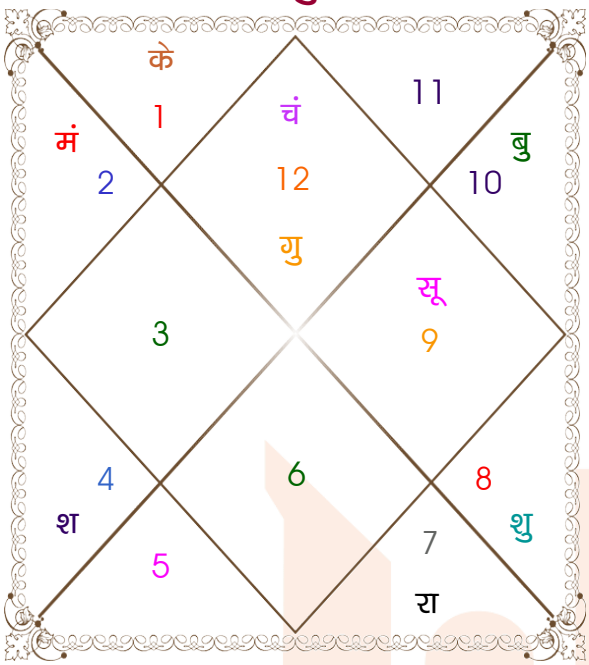

वर्ष चन्द्र कुंडली

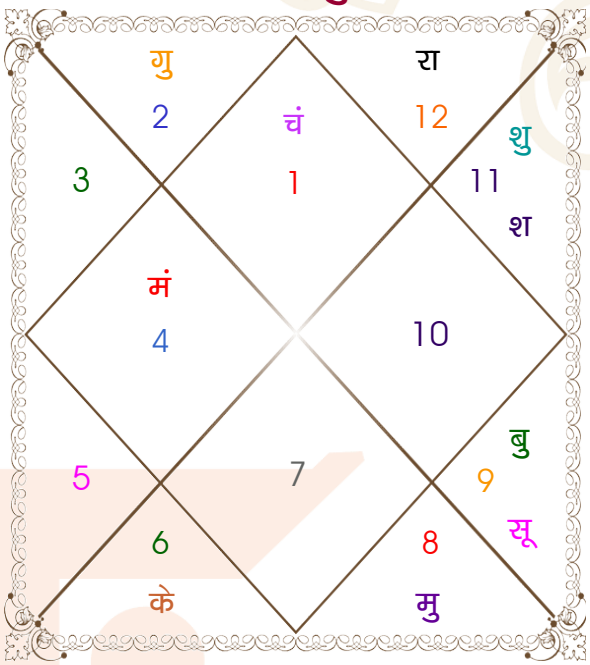

नवमांश कुंडली

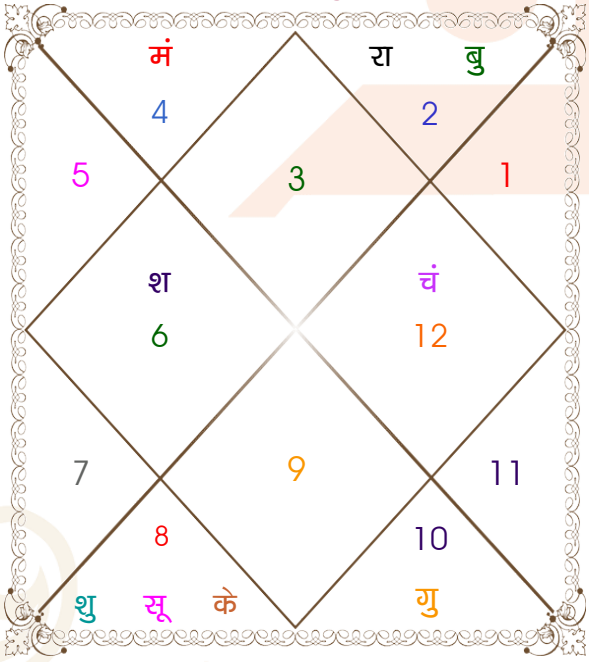

वर्ष नवमांश कुंडली

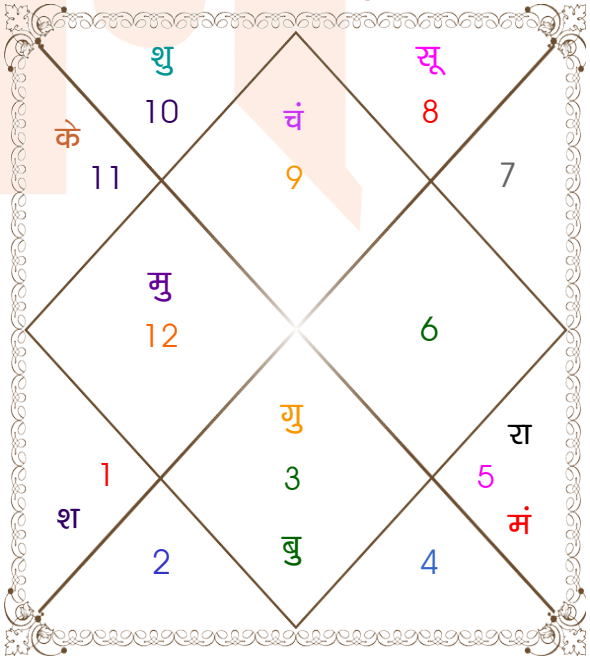

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	सम	शत्रु	सम	मित्र	मित्र
चन्द्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	मित्र
मंगल	सम	शत्रु	---	सम	मित्र	सम	सम
बुध	शत्रु	मित्र	सम	---	सम	मित्र	मित्र
गुरु	सम	सम	मित्र	सम	---	शत्रु	शत्रु
शुक्र	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	---	शत्रु
शनि	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मिथु	धनु	मेष	कर्क	धनु	वृष	कुंभ	कुंभ
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	धनु	कुंभ	तुला	वृष	मिथु	कर्क	मिथु	कर्क
चतुर्थांश	कन्या	कन्या	मक	कर्क	धनु	वृश्चि	वृष	सिंह
पंचमांश	कुंभ	तुला	तुला	वृष	कुंभ	मक	धनु	मिथु
षष्ठांश	वृष	कन्या	कन्या	तुला	वृष	मक	मिथु	सिंह
सप्तमांश	कर्क	वृष	तुला	कुंभ	मक	मीन	मेष	मिथु
अष्टमांश	कर्क	वृश्चि	वृश्चि	वृष	मिथु	धनु	वृश्चि	मक
नवमांश	धनु	वृश्चि	धनु	सिंह	मिथु	मिथु	मक	मेष
दशमांश	सिंह	सिंह	मक	मेष	कुंभ	कर्क	मिथु	कन्या
एकादशांश	सिंह	सिंह	धनु	कर्क	मक	तुला	वृष	सिंह
द्वादशांश	कन्या	तुला	कुंभ	सिंह	कुंभ	धनु	मिथु	तुला

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	स्व
होरा	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र
द्रेष्काण	मित्र	मित्र	सम	स्व	सम	मित्र	मित्र
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	स्व	मित्र
पंचमांश	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
षष्ठांश	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
सप्तमांश	मित्र	मित्र	सम	मित्र	स्व	सम	मित्र
अष्टमांश	सम	शत्रु	सम	स्व	स्व	सम	स्व
नवमांश	सम	सम	सम	स्व	सम	शत्रु	सम
दशमांश	स्व	मित्र	स्व	मित्र	सम	मित्र	मित्र
एकादशांश	स्व	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र
द्वादशांश	मित्र	मित्र	सम	मित्र	स्व	मित्र	शत्रु
शुभ	7	8	1	9	4	7	10
सम	3	2	7	2	4	2	1
अशुभ	2	2	4	1	4	3	1
कुल	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	सम	शुभ	शुभ

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	5
तृतीय बल	0	0	0	5	5	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	5	0	5	5	10	5	10
बल	क्षीण	अतिक्षीण	क्षीण	क्षीण	सामान्य	क्षीण	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	7.50	7.50	15.00	7.50	7.50	30.00
उच्च बल	8.36	19.35	2.59	10.87	14.80	15.04	6.56
हददा बल	11.25	11.25	15.00	11.25	15.00	11.25	7.50
द्रेष्काण	7.50	7.50	5.00	10.00	5.00	7.50	7.50
नवमांश	2.50	2.50	2.50	5.00	2.50	1.25	2.50
कुल	44.61	48.10	32.59	52.12	44.80	42.54	54.06
विंशोपक	11.15	12.02	8.15	13.03	11.20	10.64	13.51
बल	शुभ	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शुक्र	10.64	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	बुध	13.03	अति अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	8.15	दृष्टि नहीं	शनि
दिवापति	गुरु	11.20	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	शनि	13.51	अतिशुभ	

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

पात्यंश दशा

मंगल		बुध		लग्न		शुक्र		गुरु	
09/01/2025		13/03/2025		16/04/2025		01/05/2025		25/06/2025	
13/03/2025		16/04/2025		01/05/2025		25/06/2025		11/09/2025	
मंगल	20/01/2025	बुध	16/03/2025	लग्न	17/04/2025	शुक्र	09/05/2025	गुरु	12/07/2025
बुध	26/01/2025	लग्न	17/03/2025	शुक्र	19/04/2025	गुरु	21/05/2025	शनि	20/07/2025
लग्न	28/01/2025	शुक्र	23/03/2025	गुरु	22/04/2025	शनि	26/05/2025	सूर्य	01/08/2025
शुक्र	07/02/2025	गुरु	30/03/2025	शनि	24/04/2025	सूर्य	04/06/2025	चंद्र	06/08/2025
गुरु	20/02/2025	शनि	03/04/2025	सूर्य	26/04/2025	चंद्र	08/06/2025	मंगल	20/08/2025
शनि	27/02/2025	सूर्य	08/04/2025	चंद्र	27/04/2025	मंगल	17/06/2025	बुध	27/08/2025
सूर्य	08/03/2025	चंद्र	10/04/2025	मंगल	29/04/2025	बुध	23/06/2025	लग्न	30/08/2025
चंद्र	13/03/2025	मंगल	16/04/2025	बुध	01/05/2025	लग्न	25/06/2025	शुक्र	11/09/2025

शनि		सूर्य		चंद्र		चंद्र		चंद्र	
11/09/2025		19/10/2025		15/12/2025		15/12/2025		15/12/2025	
19/10/2025		15/12/2025		09/01/2026		09/01/2026		09/01/2026	
शनि	15/09/2025	सूर्य	28/10/2025	चंद्र	16/12/2025	चंद्र	16/12/2025	चंद्र	16/12/2025
सूर्य	21/09/2025	चंद्र	01/11/2025	मंगल	21/12/2025	मंगल	21/12/2025	मंगल	21/12/2025
चंद्र	24/09/2025	मंगल	11/11/2025	बुध	23/12/2025	बुध	23/12/2025	बुध	23/12/2025
मंगल	30/09/2025	बुध	16/11/2025	लग्न	24/12/2025	लग्न	24/12/2025	लग्न	24/12/2025
बुध	04/10/2025	लग्न	18/11/2025	शुक्र	28/12/2025	शुक्र	28/12/2025	शुक्र	28/12/2025
लग्न	05/10/2025	शुक्र	27/11/2025	गुरु	03/01/2026	गुरु	03/01/2026	गुरु	03/01/2026
शुक्र	11/10/2025	गुरु	09/12/2025	शनि	05/01/2026	शनि	05/01/2026	शनि	05/01/2026
गुरु	19/10/2025	शनि	15/12/2025	सूर्य	09/01/2026	सूर्य	09/01/2026	सूर्य	09/01/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मुद्दा दशा

चंद्र		मंगल		राहु		गुरु		शनि	
09/01/2025		09/02/2025		02/03/2025		26/04/2025		13/06/2025	
09/02/2025		02/03/2025		26/04/2025		13/06/2025		10/08/2025	
चंद्र	12/01/2025	मंगल	10/02/2025	राहु	10/03/2025	गुरु	02/05/2025	शनि	23/06/2025
मंगल	13/01/2025	राहु	13/02/2025	गुरु	17/03/2025	शनि	10/05/2025	बुध	01/07/2025
राहु	18/01/2025	गुरु	16/02/2025	शनि	26/03/2025	बुध	17/05/2025	केतु	04/07/2025
गुरु	22/01/2025	शनि	19/02/2025	बुध	03/04/2025	केतु	20/05/2025	शुक्र	14/07/2025
शनि	27/01/2025	बुध	22/02/2025	केतु	06/04/2025	शुक्र	28/05/2025	सूर्य	17/07/2025
बुध	31/01/2025	केतु	24/02/2025	शुक्र	15/04/2025	सूर्य	30/05/2025	चंद्र	21/07/2025
केतु	02/02/2025	शुक्र	27/02/2025	सूर्य	18/04/2025	चंद्र	03/06/2025	मंगल	25/07/2025
शुक्र	07/02/2025	सूर्य	28/02/2025	चंद्र	22/04/2025	मंगल	06/06/2025	राहु	03/08/2025
सूर्य	09/02/2025	चंद्र	02/03/2025	मंगल	26/04/2025	राहु	13/06/2025	गुरु	10/08/2025

बुध		केतु		शुक्र		सूर्य		सूर्य	
10/08/2025		01/10/2025		22/10/2025		22/12/2025		22/12/2025	
01/10/2025		22/10/2025		22/12/2025		09/01/2026		09/01/2026	
बुध	18/08/2025	केतु	02/10/2025	शुक्र	01/11/2025	सूर्य	23/12/2025	सूर्य	23/12/2025
केतु	21/08/2025	शुक्र	06/10/2025	सूर्य	04/11/2025	चंद्र	25/12/2025	चंद्र	25/12/2025
शुक्र	29/08/2025	सूर्य	07/10/2025	चंद्र	10/11/2025	मंगल	26/12/2025	मंगल	26/12/2025
सूर्य	01/09/2025	चंद्र	09/10/2025	मंगल	13/11/2025	राहु	28/12/2025	राहु	28/12/2025
चंद्र	05/09/2025	मंगल	10/10/2025	राहु	22/11/2025	गुरु	31/12/2025	गुरु	31/12/2025
मंगल	08/09/2025	राहु	13/10/2025	गुरु	30/11/2025	शनि	03/01/2026	शनि	03/01/2026
राहु	16/09/2025	गुरु	16/10/2025	शनि	10/12/2025	बुध	05/01/2026	बुध	05/01/2026
गुरु	23/09/2025	शनि	19/10/2025	बुध	19/12/2025	केतु	06/01/2026	केतु	06/01/2026
शनि	01/10/2025	बुध	22/10/2025	केतु	22/12/2025	शुक्र	09/01/2026	शुक्र	09/01/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - शुक्र - राहु	
23/10/2025 14:16	
26/12/2025 12:19	
राहु	02/11/2025 04:22
गुरु	10/11/2025 16:54
शनि	20/11/2025 19:48
बुध	29/11/2025 21:07
केतु	03/12/2025 14:36
शुक्र	14/12/2025 06:17
सूर्य	17/12/2025 10:59
चंद्र	22/12/2025 18:49
मंगल	26/12/2025 12:19

मंगल - शुक्र - गुरु	
26/12/2025 12:19	
21/02/2026 07:55	
गुरु	03/01/2026 02:07
शनि	12/01/2026 02:02
बुध	20/01/2026 03:12
केतु	23/01/2026 10:45
शुक्र	01/02/2026 22:01
सूर्य	04/02/2026 18:12
चंद्र	09/02/2026 11:50
मंगल	12/02/2026 19:22
राहु	21/02/2026 07:55

मंगल - शुक्र - शनि	
21/02/2026 07:55	
29/04/2026 19:11	
शनि	04/03/2026 00:18
बुध	13/03/2026 13:42
केतु	17/03/2026 12:09
शुक्र	28/03/2026 18:02
सूर्य	01/04/2026 03:00
चंद्र	06/04/2026 17:56
मंगल	10/04/2026 16:23
राहु	20/04/2026 19:17
गुरु	29/04/2026 19:11

मंगल - शुक्र - बुध	
29/04/2026 19:11	
29/06/2026 04:01	
बुध	08/05/2026 08:26
केतु	11/05/2026 20:57
शुक्र	21/05/2026 22:25
सूर्य	24/05/2026 22:52
चंद्र	29/05/2026 23:36
मंगल	02/06/2026 12:07
राहु	11/06/2026 13:26
गुरु	19/06/2026 14:37
शनि	29/06/2026 04:01

मंगल - शुक्र - केतु	
29/06/2026 04:01	
24/07/2026 00:35	
केतु	30/06/2026 14:49
शुक्र	04/07/2026 18:14
सूर्य	06/07/2026 00:04
चंद्र	08/07/2026 01:47
मंगल	09/07/2026 12:35
राहु	13/07/2026 06:04
गुरु	16/07/2026 13:37
शनि	20/07/2026 12:04
बुध	24/07/2026 00:35

मंगल - सूर्य - सूर्य	
24/07/2026 00:35	
30/07/2026 09:59	
सूर्य	24/07/2026 08:15
चंद्र	24/07/2026 21:02
मंगल	25/07/2026 05:59
राहु	26/07/2026 05:00
गुरु	27/07/2026 01:27
शनि	28/07/2026 01:44
बुध	28/07/2026 23:28
केतु	29/07/2026 08:25
शुक्र	30/07/2026 09:59

मंगल - सूर्य - चंद्र	
30/07/2026 09:59	
10/08/2026 01:40	
चंद्र	31/07/2026 07:18
मंगल	31/07/2026 22:13
राहु	02/08/2026 12:34
गुरु	03/08/2026 22:39
शनि	05/08/2026 15:08
बुध	07/08/2026 03:21
केतु	07/08/2026 18:16
शुक्र	09/08/2026 12:53
सूर्य	10/08/2026 01:40

मंगल - सूर्य - मंगल	
10/08/2026 01:40	
17/08/2026 12:38	
मंगल	10/08/2026 12:06
राहु	11/08/2026 14:57
गुरु	12/08/2026 14:49
शनि	13/08/2026 19:09
बुध	14/08/2026 20:30
केतु	15/08/2026 06:57
शुक्र	16/08/2026 12:46
सूर्य	16/08/2026 21:43
चंद्र	17/08/2026 12:38

मंगल - सूर्य - राहु	
17/08/2026 12:38	
05/09/2026 16:51	
राहु	20/08/2026 09:40
गुरु	22/08/2026 23:02
शनि	25/08/2026 23:54
बुध	28/08/2026 17:06
केतु	29/08/2026 19:56
शुक्र	02/09/2026 00:39
सूर्य	02/09/2026 23:39
चंद्र	04/09/2026 14:00
मंगल	05/09/2026 16:51

मंगल - सूर्य - गुरु	
05/09/2026 16:51	
22/09/2026 17:56	
गुरु	07/09/2026 23:24
शनि	10/09/2026 16:10
बुध	13/09/2026 02:07
केतु	14/09/2026 01:59
शुक्र	16/09/2026 22:10
सूर्य	17/09/2026 18:37
चंद्र	19/09/2026 04:42
मंगल	20/09/2026 04:34
राहु	22/09/2026 17:56

मंगल - सूर्य - शनि	
22/09/2026 17:56	
12/10/2026 23:43	
शनि	25/09/2026 22:51
बुध	28/09/2026 19:40
केतु	30/09/2026 00:00
शुक्र	03/10/2026 08:58
सूर्य	04/10/2026 09:15
चंद्र	06/10/2026 01:44
मंगल	07/10/2026 06:05
राहु	10/10/2026 06:57
गुरु	12/10/2026 23:43

मंगल - सूर्य - बुध	
12/10/2026 23:43	
31/10/2026 02:22	
बुध	15/10/2026 13:17
केतु	16/10/2026 14:39
शुक्र	19/10/2026 15:05
सूर्य	20/10/2026 12:49
चंद्र	22/10/2026 01:02
मंगल	23/10/2026 02:24
राहु	25/10/2026 19:35
गुरु	28/10/2026 05:33
शनि	31/10/2026 02:22

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराकम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मासिक फलादेश

प्रथम मास
09/01/2025 15:52:42 से 08/02/2025 04:06:55 तक

इस मास में आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे अनावश्यक चिन्ताएं तथा समस्याएं बढ़ेंगी। इस समय चोरों से भी सावधान रहना चाहिए तथा अपने उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित हो सकते हैं। इस मास में आपको सांसारिक कार्यों में भी असफलता मिलेगी तथा धन भी अनावश्यक रूप से व्यय होगा। इसके साथ ही आप किसी गलत कार्य को करने के लिए भी प्रेरित होंगे तथा ऐसे कार्यों को करके आप बाद में पश्चाताप करेंगे। अपने सम्बन्धियों से भी आपकी अनबन हो सकती है तथा मान हानि का भी योग बनता है एवं आशाओं में भी असफलता प्राप्त होगी।

परन्तु उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री से सुखी , बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार के सुख प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा तथा किसी धार्मिक कार्य को भी सम्पन्न करेंगे।

द्वितीय मास
08/02/2025 04:06:55 से 09/03/2025 23:26:45 तक

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगे तथा व्यय भी काफी होगा जिससे आर्थिक एवं मानसिक रूप से आप कष्टानुभूति होगी। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे। काफी परिश्रम के बाद भी आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अल्प सफलता ही प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों को आप उचित सम्मान प्रदान नहीं करेंगे।साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से तनावपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे तथा नौकरी या व्यापारिक कार्यों में भी अनावश्यक रूप से बाधाएं या रूकावटें उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आपके मन में भय तथा चिन्ता रहेगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। अतः समय समय पर मन से बेचैनी भी रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त आदि से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगे तथा रक्तविकार का भी योग बनता है अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हो सकें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

तृतीय मास
09/03/2025 23:26:45 से 09/04/2025 05:57:56 तक

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन में सन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा। आपके पराक्रम में इस समय पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग को परास्त करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही आपके लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे। इस मास आप भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा ऐसे महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे जिनको आप काफी समय से सिद्ध करना चाहते थे। इसके अतिरिक्त बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके दृढ़ एवं मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा सबसे आप यथोचित मान सम्मान अर्जित करेंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफलता अर्जित करेंगे राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण प्रतिष्ठा तथा आदर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा।

चतुर्थ मास
09/04/2025 05:57:56 से 10/05/2025 00:55:32 तक

यह मास आपके लिए पूर्ण रूपेण शुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।फलतः आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। धनार्जन इस समय प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको धन लाभ हो सकेगा। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश रूप से भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे। इस मास आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मानप्रतिष्ठा अर्जित करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस समय गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्रों या अन्य द्रव्यों को प्राप्त करन में भी सफल रहेंगे एवं आनंदपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

पंचम् मास
10/05/2025 00:55:32 से 10/06/2025 06:13:19 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास
10/06/2025 06:13:19 से 11/07/2025 16:47:16 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस समय आपमें उत्साह के भाव की अल्पता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक संकट भी प्राप्त कर सकते है। आपके मन में इस मास में लोभ के भाव की बहुलता रहेगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से संबधों में इस समय तनाव रहेगा तथा मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। अतः हृदय से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य सामाजिक जनों से भी परस्पर वाद विवाद होते रहेंगे अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करना चाहिए जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं इनसे आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

सप्तम् मास
11/07/2025 16:47:16 से 12/08/2025 01:58:53 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी।उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रूचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

अष्टम् मास
12/08/2025 01:58:53 से 12/09/2025 03:34:19 तक

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा।मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

नवम् मास
12/09/2025 03:34:19 से 12/10/2025 17:34:13 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्य मान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
12/10/2025 17:34:13 से 11/11/2025 19:14:36 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग! आपसे पूर्ण प्रसतथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा इनकी ओर से आप निश्चिन्त रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे।साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धन एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आप श्रद्धालु होंगे एवं धर्मानुपालन में तत्पर रहेंगे जिससे समाज में आपके सम्मान में अभिवृद्धि होगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

एकादश मास
11/11/2025 19:14:36 से 11/12/2025 11:06:26 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे या इनको कोई कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी बलवान रहेगा तथा आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपके अन्दर उत्साह के भाव की न्यूनता स्पष्ट परिलक्षित होगी तथा धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा। अतः आर्थिक क्षेत्र में आप कष्ट प्राप्त करेंगे। आप का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा एवं स्वभाव में लोलुपता के भाव की वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मनमुटाव तथा वैमनस्य रहेगा। इसके अतिरिक्ति समाज तथा परिवार के लोगों से आपके परस्पर विवाद होते रहेंगे।अतः ऐसे समय को संयम पूर्वक व्यतीत करना ही बुद्धिमानी रहेगी।

साथ ही इस मास में आपको अल्प मात्रा में शुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति भी हो सकती है। इस समय आप नवीन वस्त्र तथा द्रव्य आदि भी प्राप्त कर सकते है जिससे आप किंचित सुख की अनुभूति प्राप्त करेंगे।

द्वादश मास
11/12/2025 11:06:26 से 09/01/2026 22:06:45 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय स्त्री पक्ष से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे इस मास में आप इच्छित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपको रूके कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ समय समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप ठंड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com